

## बिस्मार्क की गृह नीति 1871 ई. से 1890 ई. तक

- |                                  |  |   |
|----------------------------------|--|---|
| 1. नये सन्धिजन का निर्माण।       | 2. साइडर बनने के बरखा प्रमुख करि-पुष्टा। | 3. कुल्बर कैम्प या सपना को जग के लिए सार्थ। |
| 1. सपना                          | 1. काल से या                             | 1. जैवार्थिक विरुद्ध होने के कारण           |
| 2. सपना से (सिंहसरे)             | 2. जगससक जगिसे के विरुध की सपना          | 2. कैथार्थिक सपने के दमन के कर्त            |
| 3. सपनासपिणक सपना                | 3. जगने सपनासपने के विधि-पुष्टा          | 3. सपना सपना की सपनासपने की सपनासपने        |
| 4. सपनासपने सपनासपने के सपनासपने | 4. सपनासपने सपनासपने के सपनासपने         | 4. सपनासपने के सपनासपने के सपनासपने         |
| 5. सपनासपने सपनासपने के सपनासपने | 5. सपनासपने सपनासपने के सपनासपने         | 5. सपनासपने के सपनासपने के सपनासपने         |





## बिस्मार्क की गृह नीति 1871 ई. से 1890 ई. तक

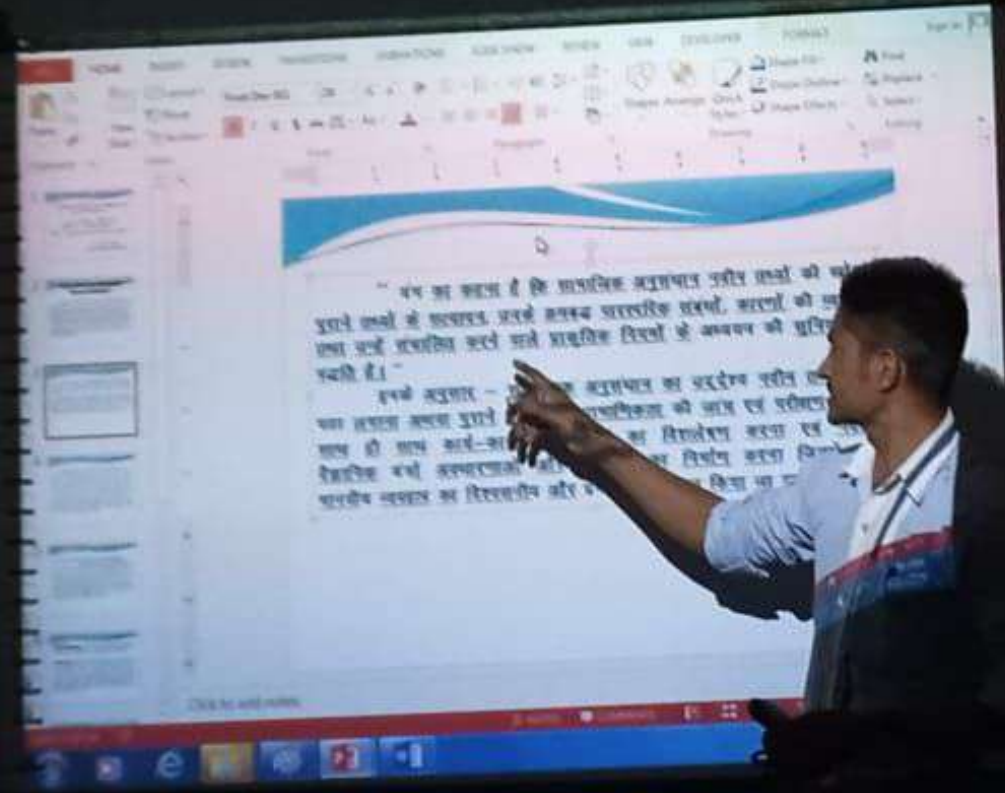
- |                               |  |   |
|-------------------------------|--|---|
| 1. ग्रेट ब्रिटेन का निर्वासन। | 2. संसद बनने के पश्चात प्रमुख कठिन-काम।  | 3. कुल्बर डैमक या समता की संधि के लिए संधि।   |
| 1. संधि                       | 1. धर्म से परे   | 1. औद्योगिक विकसित होने का कारण               |
| असमानता (किसानों)             | 2. अल्पसंख्यक जातियों के हितों की सुरक्षा  | 2. औद्योगिक युग के कारण के कारण               |
| 1. अल्पसंख्यक सत्ता           | 3. उत्तम शासन में विश्वास  | 3. विश्व सम्पत्ती अधिकार की सुरक्षा           |
| 1. अल्पसंख्यक सत्ता           | 4. सभ्य कानून लागू करना, जो धर्म और नैतिक, या गुण-आधारित न होना चाहिए। 5. राष्ट्रीय सरकारों की सहायता: 6) वर्गों-मध्य की अंतर्गत, 7) उमीदित करने-बोर्ड की सहायता | 4. 1875 में कानून या कानून कानून              |
| 1. अल्पसंख्यक सत्ता           | 4. सर्वोच्च न्यायालय के हितों की सुरक्षा   | 5. 1875 में कानून के हितों में देश की सुरक्षा |
| 1. अल्पसंख्यक सत्ता           |  | 5. बिस्मार्क की पराजय                         |

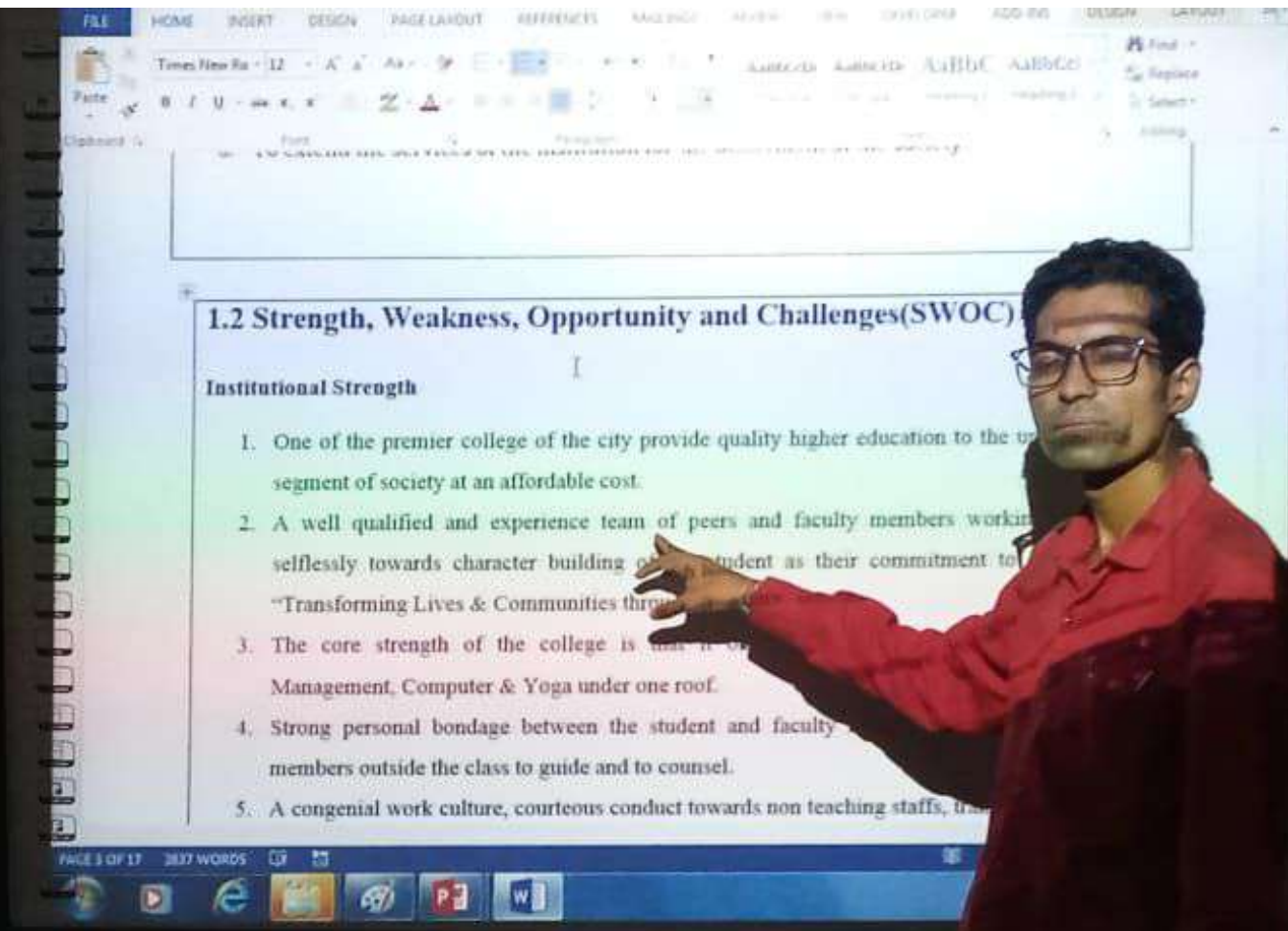


## 1.2 Strength, Weakness, Opportunity and Challenge

### Institutional Strength

1. One of the prominent strengths of the college is the quality higher education provided to the segment of society.
2. A well-qualified and experienced faculty is available who is dedicated and committed, and is willing to work tirelessly towards character building of the students.
3. The core strength of the college is that it offers a unique blend of Management, Computer & Yoga under one roof.
4. Strong personal bondages between the student and faculty members outside the class to guide and to assist.
5. A congenial work culture, courteous conduct towards non-teaching staff.

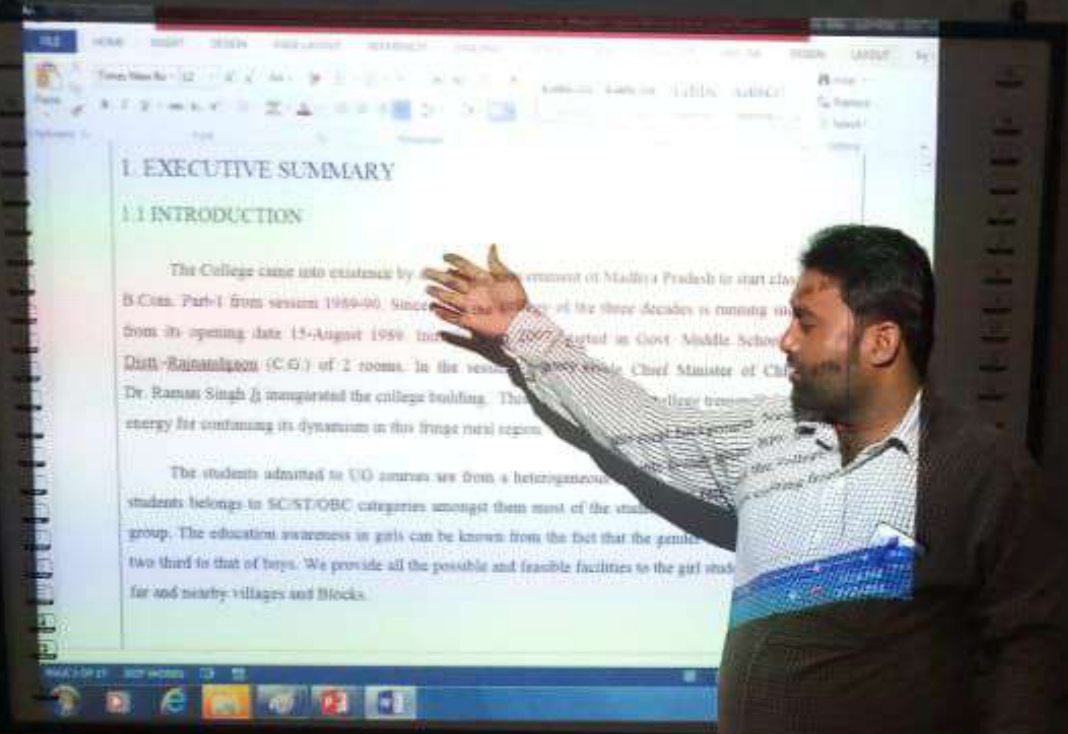




## 1.2 Strength, Weakness, Opportunity and Challenges(SWOC)

### Institutional Strength

1. One of the premier college of the city provide quality higher education to the v segment of society at an affordable cost.
2. A well qualified and experience team of peers and faculty members working selflessly towards character building of student as their commitment to "Transforming Lives & Communities through Education".
3. The core strength of the college is that it offer Management, Computer & Yoga under one roof.
4. Strong personal bondage between the student and faculty members outside the class to guide and to counsel.
5. A congenial work culture, courteous conduct towards non teaching staffs, it



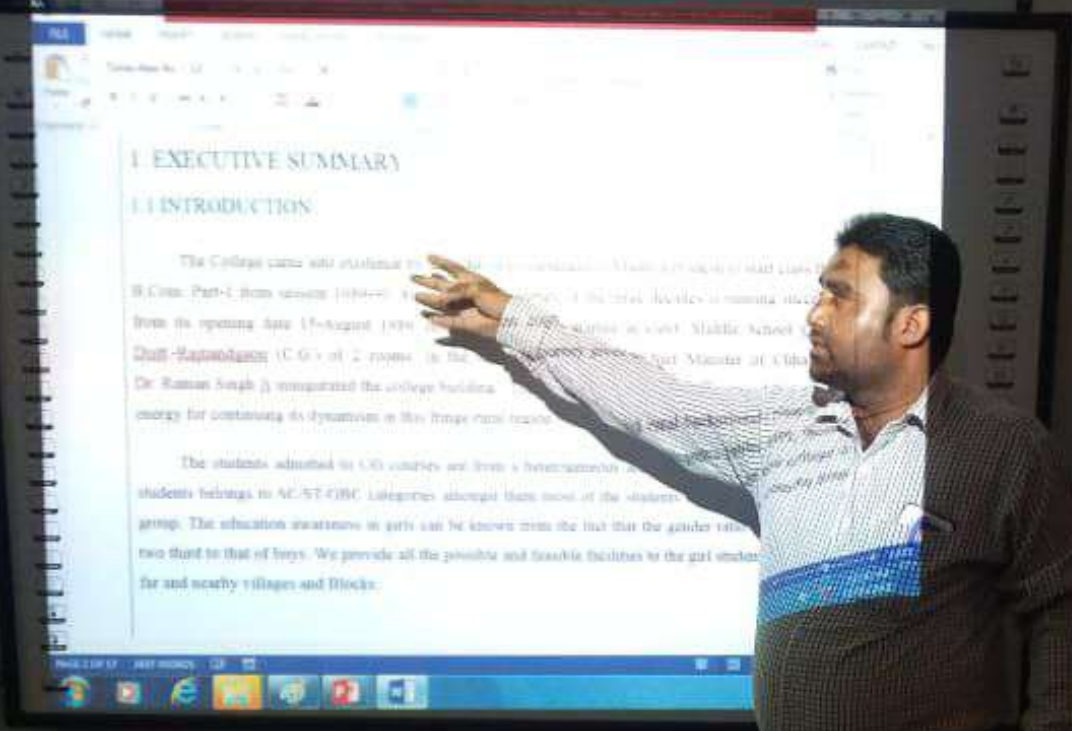


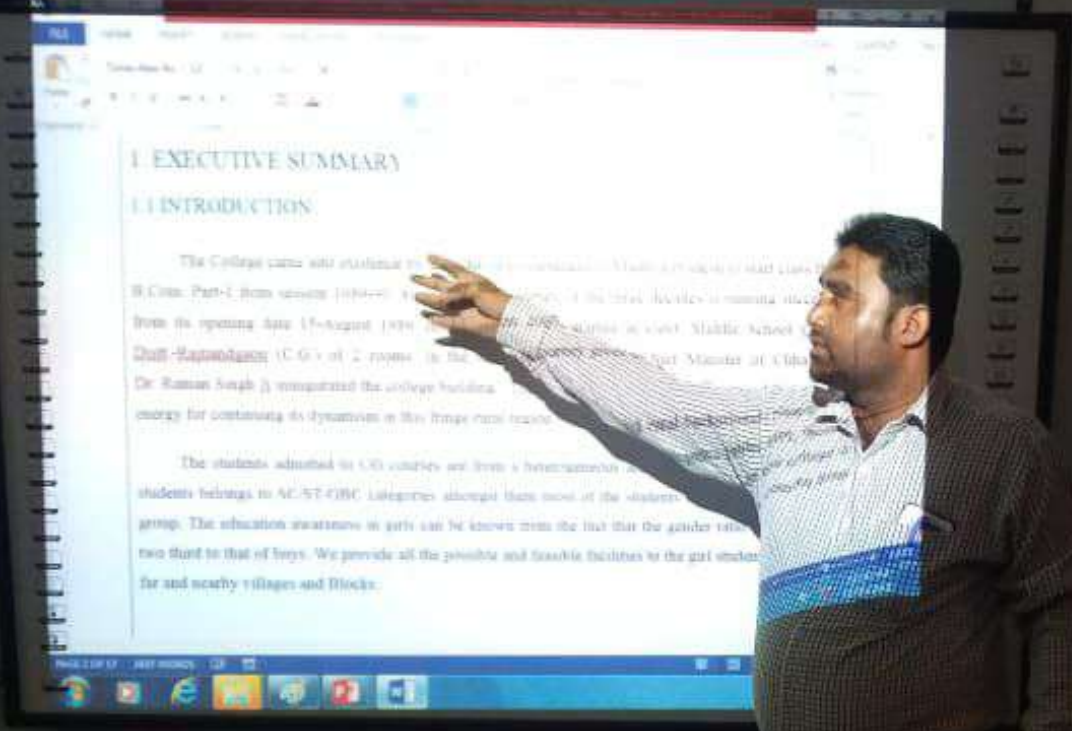
## 1.2 Strength, Weakness, Opportunity and Challenges(SWOC)

### Institutional Strength

1. One of the premier college of the city provide quality higher education to the unprivileged segment of society at an affordable cost.
2. A well qualified and experience team of peers and faculty members working selflessly towards character building of student as their commitment to "Transforming Lives & Communities through Education".
3. The core strength of the college is that it provides Management, Computer & Yoga under one roof.
4. Strong personal bondage between the student and faculty members outside the class to guide and to counsel.
5. A congenial work culture, courteous conduct towards non teaching staffs, in

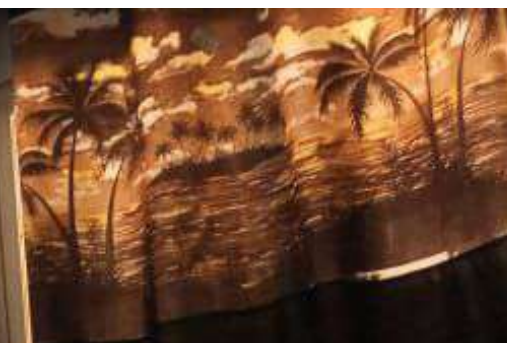






भारत में मुद्रा की पूर्ति के मापक एवं सघटक  
 अप्रैल, 1977 से भारतीय रिजर्व बैंक भारत में मुद्रापूर्ति का आकलन  
 निम्न चार सघटकों की सहायता से करता है

- 1  $M_1$  अर्थात् मुद्रा पूर्ति की सकृषित अवधारणा  
 $M_1 =$  जनता के पास नूटा + बैंकों में गण जमा + ...
- 2 मुद्रापूर्ति की  $M_2$  अवधारणा -  
 $M_2 = M_1 +$  डाकघरों के रवत बैंकों में जमा
- 3  $M_3$  मुद्रापूर्ति की विस्तृत अवधारणा -  
 $M_3 = M_2 +$  बैंकों की सावधि जमा
- 4 मुद्रापूर्ति की  $M_4$  अवधारणा -  
 $M_4 = M_3 +$  डाकघरों की कुल जमा



## भारत में मुद्रा की पूर्ति के मापक एवं सघटक

अप्रैल, 1977 से भारतीय रिजर्व बैंक भारत में मुद्रापूर्ति का आकलन निम्न चार सघटकों की सहायता से करता है :-

- 1  $M_0$  अर्थात् मुद्रा पूर्ति की सकृषित अवधारणा -  
 $M_0 =$  जनता के पास मुद्रा + बैंकों में भण्डारित मुद्रा
- 2 मुद्रापूर्ति की  $M_1$  अवधारणा -  
 $M_1 = M_0 +$  डाकघरों के बचत बैंकों में जमा
- 3  $M_2$  मुद्रापूर्ति की विस्तृत अवधारणा -  
 $M_2 = M_1 +$  बैंकों की सावधि जमा
- 4 मुद्रापूर्ति की  $M_3$  अवधारणा -  
 $M_3 = M_2 +$  डाकघरों की कुल जमा



## मुद्रा की परिभाषा

1. वर्णात्मक परिभाषा  
साकर के अनुसार - मुद्रा वह है जो मुद्रा का रूप कर।
2. वैधानिक परिभाषा  
डॉ. जय के अनुसार - कोई भी वस्तु जो कानून द्वारा मान्यता प्राप्त कर दी जाती है मुद्रा कही जाती है।
3. सामान्य स्वीकृति पर आधारित परिभाषा  
किन्स के अनुसार - मुद्रा वह है जिसे टकर रूप में सामान्य स्वीकृति को नियंत्रित किया जाता है और जिसके रूप में सामान्य व्यवहार को नियंत्रित किया जाता है।

मुद्रा के उपर्युक्त तीनों मुद्रा को ध्यान में रखते हुए मुद्रा निम्नानुसार दी जा सकती है - मुद्रा एक ऐसी वस्तु है जो विनिमय के माध्यम से स्थगित भुगतानों के माध्यम से मुद्रा के रूप में स्वीकृत सामान्य रूप से व्यक्तियों द्वारा स्वीकृत की जाती है। इस प्रकार किसी प्रतिभूतियों तथा साक्षपत्रों को मुद्रा में मान्यता प्राप्त किया जा सकता है।

